

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

01596

जून, 2016

बी.एस.के.एफ.-001 : संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं चार को शुद्ध रूप में लिखिए : 2  
पंक्ती, महोषधि, उडयनमंत्री, मनीशा, उध्वरीखा, विकरन ।
- (ख) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से किसी एक को चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 2  
(अ) प्रभुः करोतु यदयं बालः शतायुः \_\_\_\_\_ ।  
(भूयात्, भवेयुः)
- (ब) युवां \_\_\_\_\_ आगच्छथः ।  
(विद्यालयेन, विद्यालयात्)
- (स) वयं धनं \_\_\_\_\_ प्रसीदामः ।  
(प्रदत्त्वा, प्रदाय)
- (द) पात्रत्वाद्धनम् \_\_\_\_\_ ।  
(आप्नोति, आप्ति)

2. (क) निम्नलिखित शब्दों के निर्दिष्ट रूप लिखिए : 2
- (अ) सुधी (पुंल्लिंग) : चतुर्थी विभक्ति, एकवचन  
 (ब) चतुर् (स्त्रीलिंग) : पञ्चमी विभक्ति, बहुवचन  
 (स) सर्व (नपुंसकलिंग) : सप्तमी विभक्ति, बहुवचन  
 (द) पितृ (पुंल्लिंग) : तृतीया विभक्ति, द्विवचन
- (ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो धातुरूपों में धातु, लकार, पुरुष एवं वचन का निर्देश कीजिए : 2
- भवेम, आगमिष्यथः, चिन्तयेत्, जहि ।
3. निम्नलिखित पदों में धातु एवं प्रत्यय को अलग करके दिखलाइए : 4
- श्रुत्वा, भीतः, त्यक्तुम्, रोगः ।
4. कर्तृवाच्य के निम्नलिखित प्रयोगों को कर्मवाच्य में प्रयोग कीजिए : 4
- (क) राधा वस्त्राणि सीव्यति ।  
 (ख) अंकितः चलचित्रं पश्यति ।  
 (ग) कर्मकराः भवननिर्माणं कुर्वन्ति ।  
 (घ) सा केशान् प्रक्षालयति ।
5. (क) निम्नलिखित पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए : 2
- तवैव, महद्दुःखम्, साधोऽत्र, हरिश्शेते ।
- (ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वर्णों के उच्चारण-स्थान लिखिए : 2
- ट, इ, ध, व् ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर लगभग 100 – 150 शब्दों में आलेख लिखिए : 8

- (क) कविकुलगुरु कालिदास
- (ख) चरक-संहिता
- (ग) काव्य का स्वरूप
- (घ) यक्ष-युधिष्ठिर-संवाद

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए : 8

- (क) भारतीया संस्कृतिः
- (ख) मम प्रियः कविः
- (ग) तुष्टिस्तु परमं सुखम्
- (घ) भ्रष्टाचारस्योन्मूलनोपायाः

8. निम्नलिखित पद्य को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु  
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम् ।  
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा  
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः ॥

- (क) किसको निन्दा या स्तुति से विचलन नहीं होता ?
- (ख) पद्य में लक्ष्मी की कौन-सी विशेषता निर्दिष्ट है ?
- (ग) न्याय्य पथ क्या है ?
- (घ) धीर मनुष्य कौन है ?

9. निम्नलिखित में से किसी एक की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :

4

(क) विश्वरूपत्वमिव ग्रहीतुमाश्रिता नारायणमूर्तिम् ।  
अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव  
समुपचितमूलदण्डकोशमण्डलमपि मुञ्चति भूभुजम् ।  
लतेव विटपकानध्यारोहति । गङ्गेव वसुजनन्यपि  
तरङ्गबुदबुदचञ्चला । दिवसकरगतिरिव  
प्रकटितविविधसंक्रान्तिः । पातालगुहेव तमोबहुला ।

(ख) माता मित्रं पिता चेति स्वभावान्त्रितयं हितम् ।  
कार्यकारणतश्चान्ये भवन्ति हितबुद्धयः ॥

(ग) दिवं यदि प्रार्थयसे वृथा श्रमः पितुः प्रदेशास्तव देवभूमयः ।  
अथोपयन्तारमलं समाधिना न रत्नमन्विष्यति मृग्यते हि तत् ॥

10. पत्रलेखन में किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है, किन्हीं पाँच बातों का उल्लेख कीजिए ।

6

अथवा

निम्नलिखित बातों को आधार में रखकर संस्कृत में समाचार लिखिए :

घटना – बिजली और पानी की महँगाई के विरोध में रेज़िडेन्ट वेलफ़ेयर सोसाइटियों ने प्रदर्शन किया ।

क्या हुआ – जनता का सम्पूर्ण सहयोग मिला और लोगों ने नेताओं की भर्त्सना की ।

कब हुआ – अप्रैल मास में

स्थान – दिल्ली